वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 129 बुधवार 6 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गहलोत बोले-नई पॉलिसी से होंगे थर्ड-ग्रेड टीचर्स के ट्रांसफर

कहा-लोग कहते हैं कि मैं और वसुंधरा जी मिले हुए, उन्होंने तो मेरे काम बंद कर दिए

जयपुर. कासं

राजस्थान में ट्रांसफर का इंतजार कर रहे ग्रेड थर्ड के टीचर्स को थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। मंगलवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- राजस्थान सरकार टीचर्स के ट्रांसफर के लिए नई पॉलिसी तैयार कर रही है। यह एक बहुत बड़ी समस्या है। उसके बाद ही थर्ड ग्रेड टीचर्स के ट्रांसफर किए जाएंगे। हालांकि चुनाव से पहले बीमारी से ग्रसित कुछ लोगों को ट्रांसफर की राहत जरूर दी जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा- लोग कहते हैं कि मैं और वसुंधरा जी मिले हुए हैं। बताओ कहां मिले हुए हैं। मेरे सब कामों को उन्होंने बंद कर दिया। सीएम ने कहा- शिक्षा विभाग में लगभग ढाई लाख तो सिर्फ थर्ड ग्रेड टीचर हैं। उनकी अलग तरह की समस्याएं हैं। हमें वापस बुलाओ, अपने जिले में लेकर आओ जबकि जब भर्ती होती है तब वह जिले की भर्ती होती है। तब वह चॉइस करता है। मैं बाड़मेर या जैसलमेर जाऊंगा। उसके बाद भी वह अपने गृह जिले में जाने की मांग करता है। कोई कहता है। मैं तो सीकर जाऊंगा। किसी को झुंझुनू तो किसी को अलवर जाना है। यह बहुत बड़ी समस्या है। इसलिए हम शिक्षकों के ट्रांसफर के लिए नई पॉलिसी तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा- थर्ड ग्रेड टीचर्स का मुद्दा काफी बड़ा है। इसलिए मैं आप सभी का सहयोग चाहूंगा। यह बहुत बड़ी समस्या है। मान लीजिए अगर सरकार चुनाव से पहले 20 या 30 हजार के ट्रांसफर भी कर देती है। उससे आप लोग खुश हो जाएंगे तो वह गलत बात है। क्योंकि बिना पॉलिसी ट्रांसफर नहीं होने चाहिए। हर टीचर को यह पता होना चाहिए। उसका ट्रांसफर इस पॉलिसी के तहत इतने वक्त में हो सकेगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- मैंने कई यूनिवर्सिटी का निर्माण किया था। पिछली सरकार ने उन्हें बंद कर दिया। इसके बाद भी लोग कहते हैं कि मैं और वसुंधरा जी मिले हुए हैं। बताओ कहां मिले हुए हैं। मेरे सब कामों को उन्होंने बंद कर दिया। उन्होंने रिफाइनरी भी बंद कर दी थी। इसकी वजह से 38 हजार करोड़ की रिफाइनरी अब 72 हजार करोड़ में बनेगी। इसमें मोदी जी की सरकार ने भी उनके साथ दिया। उन्होंने कहा- यूनिवर्सिटी की पॉलिसी होती है। अगर कोई यूनिवर्सिटी शुरू होती है। वह बंद नहीं हो सकती है। वसुंधरा राजे ने पहली बार हरिदेव जोशी यूनिवर्सिटी को बंद कर दिया। डॉ भीमराव अंबेडकर के नाम की यूनिवर्सिटी को बंद कर दिया गया। हमारी सरकार ने एक्ट में परिवर्तन कर फिर से इन यूनिवर्सिटीज को शुरू किया। अब दोनों की शानदार बिल्डिंग बन रही है। मुख्यमंत्री ने कहा- हमारी सरकार की सोच सकारात्मक है।

चुनाव से पहले इन्हें मिलेगी राहत

सीएम ने कहा- गुजरात और महाराष्ट्र में ट्रांसफर पॉलिसी बनी हुई है। मैंने कल्ला जी से भी कहा है। आप इस पॉलिसी की अच्छे से स्टडी कीजिए। इसके बाद भी किसी टीचर कि कैंसर पेशेंट, किडनी पेशेंट, विकलांग इस तरह समस्याएं हैं। उसे आप अपने स्तर पर देख लीजिए। उन्हें अभी कर दीजिए। बाकी पॉलिसी बन जाए। उसके बाद ही ट्रांसफर किए जाने चाहिए क्योंकि अगर स्कूल खाली हो जाएंगे। सिर्फ सरकार की नहीं बल्कि, टीचर्स की भी बदनामी होगी।

अडानी साहब के शेयर धड़ाम हो गए

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- ओल्ड पेंशन स्कीम का फैसला मैंने मानवीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर किया है। 35 साल की सरकारी नौकरी करने के बावजूद भी लोग बुढ़ापे में आजीविका के लिए परेशान हो रहे थे। पेंशन के लिए कुछ लोगों ने शेयर बाजार में भी पैसे लगाए। शेयर बाजार में तो अडानी साहब का शेयर भी धड़ाम हो गया।

मैंने भी म्युचुअल फंड में किया था इन्वेस्ट

उन्होंने कहा- कुछ साल पहले मैने खुद ने 20 हजार के म्युचुअल फंड खरीदे थे। 5 साल बाद मुझे पता चला कि वह फंड नीचे आ गए। तब मुझे 20 हजार के सिर्फ 20 हजार ही वापस मिल सके। 5 साल बाद भी। मैं तो उसमें भी खुश था। कम से कम मेरा मूल तो बच गया।

कोई मंत्री शिक्षा विभाग नहीं लेना चाहता

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- जब भी मैं मुख्यमंत्री बनता हूं। मंत्रियों की घोषणा होने के बाद सभी मंत्री मेरे पास वन बाय वन आते हैं। वह कहते हैं कि कोई भी विभाग दे देना। शिक्षा विभाग मत देना। शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला भी यही कहते हैं। फिर भी मैं इन्हें ही शिक्षा विभाग देता हूं। मुझे पता है कि यह मना तो कर रहे हैं, लेकिन यह इस विभाग के एक्सपर्ट हो गए हैं। यह चार बार शिक्षा मंत्री बन चुके हैं। कल्ला जी बहुत भले आदमी है। यह अपना काम चला लेते हैं। शिक्षकों को भी पटा-पट्टू कर रखते हैं। ट्रांसफर पोस्टिंग शिक्षा विभाग में काफी समस्याएं रहती है। इसलिए इस विभाग को जो संयम रखना है। वही, चला सकता है। क्योंकि शिक्षकों से लोहा लेना काफी मुश्किल काम होता है। उन्होंने कहा- पहले जब हम गुजरात से राजस्थान आते थे। लोग कहते थे कि अगर नींद खुल जाए। समझो राजस्थान आ गया है। अब उल्टा मामला हो गया है। राजस्थान की सड़क शानदार हो चुकी है। राजस्थान में पानी की आज भी बड़ी समस्या है। एफ्छड योजना के बारे में तो आप सभी जानते हैं। हम जूझ रहे हैं। केंद्र सरकार से कि आप एफ्छड को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करो। उनकी जिद है कि वह नहीं करेंगे। मेरी जिद है कि इसको बना कर ही रहेंगे। मुझे पता है टीचर्स पर काफी बर्डन है। आपका काम सिर्फ पढ़ने का है। उसके बावजूद आपको दूसरे भी काफी काम दिए जाते हैं। वह नहीं दिए जाने चाहिए। यह बात भी हमारे दिमाग में है। मौका लगेगा तो इस पर भी फैसला लेंगे। हम चाहते हैं कि शिक्षक सिर्फ शिक्षक का ही कम करें। बाकी काम दूसरे लोग करें। अगर फिर से हमारी सरकार बनेगी तो मैं आपसे वादा करता हूं। आपका काम किस तरह से हल्का हो इसको लेकर फैसला किया जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- मैं भी बचपन में अंग्रेजी के खिलाफ था। मैंने इंग्लिश का विरोध भी किया था। मुझे लगता था अंग्रेजी और संस्कृत क्या काम आएगी।

पुण्य स्मरण दिवस

स्व. श्री संसार चन्द्र जी लुहाड़िया

तृतीय पुण्य तिथि

दिनांक 6 सितम्बर, 2023

श्रद्धांजलि

... श्रद्धावनत ...

श्रीमती गुणवती जैन (धर्मपत्नी)
प्रदीप-विजयलक्ष्मी (पुत्र - पुत्रवधु)
अभिषेक -निधि, अंकित-मेघा (पौत्र-पौत्र वधु)
सेजल, योशिता, असावरी (पड़पौत्री)
मधु-रामचन्द्र बैद,सुधा छाबड़ा
निशा-प्रदीप पाण्ड्या (पुत्री-दामाद)

लुहाड़िया परिवार

गोगाजी महाराज खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

सीकर. शाबाश इंडिया। जिले के अजीतपुरा कुदन गांव में हर साल की भांति चार दिवसीय खेल प्रतियोगिता व गोगाजी महाराज के मेले का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में सबसे पहले गोगाजी महाराज को सभी लोगों द्वारा धोक लगाकर कार्यक्रम की शुरूआत हुई।इस में आसपास की कब्बड्डी की 32 टीमों ने भाग लेगी यह प्रतियोगिता चार दिन तक चलेगी। उसमे विजेता व उपविजेता टीम को ट्राफी व नगदी राशि देकर सम्मानित किया जाएगा कार्यक्रम अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्रशासनिक अधिकारी व समाज सेवी राधे राम गोदारा, उप जिला प्रमुख ताराचंद धायल ,कब्बड्डी संध के जगदीश फौजी, तेजा सेना के जिलाध्यक्ष राम बिजारणियां, पूर्व उप प्रधान ताराचंद भुकर, सरपंच प्रतिनिधि कुदन सुलतान सुंडा, जगदीश दानोदिया दिनेश भादवासी जेरठी सरपंच बोदुराम जी उपस्थित रहे।आये हुए अतिथियों का स्वागत साफा व माला पहनाकर किया गया।आये हुए अतिथियों ने खेलों के महत्व के बारे में बताया। मंच संचालन विकास सुडा ने किया।

जैन पाठशाला लाडनूं में मनाया गया शिक्षक दिवस

लाडनूं. शाबाश इंडिया। शिक्षक दिवस के अवसर पर जैन पाठशाला के बच्चों ने पाठशाला में मनमोहक सजावट की व पाठशाला के शिक्षक जैन धर्म दर्शन के विख्यात विद्वान डॉ. सुरेंद्र जैन को उपहार देकर सम्मानित किया व आशीर्वाद लिए। समाज के सदस्य व पाठशाला से जुड़े राज पाटनी ने बताया कि लगभग 30 वर्षों से लाडनूं के प्राचीन दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर के पास सरावगी भवन में संचालित हो रही जैन पाठशाला में समाज के बच्चों को जैन धर्म दर्शन व संस्कृति व संस्कारों की गहन शिक्षा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस पाठशाला से शिक्षित होकर निकले विद्यार्थी चाहे वे स्थानीय हो अथवा देश विदेश में प्रवास कर रहे हो वे जैन धर्म के सिद्धांतों व नीति नियमों व संस्कारों से कभी भी विलग नहीं होते है। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र जैन ने शिक्षक दिवस व गुरु-शिष्य के बीच के रिश्ते की महत्ता पर प्रकाश डाला व बच्चों को सदैव धर्म के मार्ग पर चलते हुए लक्ष्य की प्राप्ति करने व उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

सोलह कारण आराधना से लोक कल्याण की भावना भाए: आचार्य श्री आर्जव सागर जी

सुभाष गंज में हो रहा है लोक कल्याण विधान

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

महान सोलह कारण की आराधना करते हुए आप लोग लोक कल्याण की भावना भा रहे हैं हम ऐसी भावनाओं से तीर्थकर प्रकृति का वंध कर सकते हैं इन भावनाओं में संवेग भावना से सहित व्यक्ति जब रत्नत्रय में हर्षित होता है रत्नत्रय में हर्षित होना संवेग है जो दुःख से डरेगा वह रत्न त्रय को पाकर आनंदित होगा सब चीजें आपके सामने है आप लोग आनंद कब लेते हैं आपको तो ऐसी भवन में आंनद आता है एकांत में जंगल हो पर्वत के शिखर की ऊंचाई पर ध्यान लगाने पर ऐसी अनुभूति होती है जिसे शब्दों में बांधा नहीं जा सकता पर्वत की चोटी पर बैठ कर जिन्होंने परम पद को प्राप्त किया उनका ध्यान करते हुए ध्यान करने का आनंद अलग है उक्त आश्य के उद्गार आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज ने सुभाषगंज मैदान में धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

आचार्य भगवंत ने सभी समाज जनों को आशीर्वाद दिया हैं: विजय धुर्रा

इसके पहले मध्य प्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि हम सब लोग संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ससंघ के चरणों में गये और आचार्य श्री को श्री फल भेंट कर नगर में चल रहे चातुर्मास व लोक कल्याण महा मंडल विधान की जानकारी दी तो आचार्य श्री सभी को आशीर्वाद देते हुए धर्म वृद्धि का मंत्र प्रदान किया उन्होंने कहा कि अच्छी चीजों को हमेशा याद रखें और बुरी बातो को भुला दे । हमेशा अच्छा सोचें अच्छा करें इस दौरान आज विधान के विशेष पात्र डॉ सुगन चन्द्र एवं कैलाश चन्द्र जैन का सम्मान कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई प्रमोद मंगलदीप अजित वरोदिया ने किया वहीं विधान के अर्घो का समर्पण भक्तो ने किया।

वेद ज्ञान

राम के नाम को समझे बगैर मुक्ति नहीं

मुक्ति की कसौटी यह है कि आप निष्काम हुए या नहीं। मान-मोह छूटे बिना निष्काम होना संभव नहीं। गोविंद की चाकरी मैं-पन से मुक्ति दिलाती है। अगर यह भाव आ जाए कि गोविंद जैसा मुझसे कराता है, वैसा करता हूं। मेरे मान सम्मान का क्या? सब मान-सम्मान मेरे मालिक का है, तो आप मैं-पन से मुक्त हो सकते हैं। मुक्ति के लिए गुरु तेग बहादुर गोविंद के सुमिरन में जीने को अंतिम शर्त बताते हैं। संतों ने इसी को नाम कहा है। नाम है-ओंकार। गोविंद भी ओंकार ही है। राम का मतलब राम-राम रटना नहीं है। यह जो ओंकार है, जो पूरे अस्तित्व में गूंज रहा है- आपके भीतर भी और आपके बाहर भी, जिसका आलोक फैला हुआ है, वह नाम है और उसी को जानना है। इसी नाम को, ओंकार को, गोविंद को जानना और उसके सुमिरन में जीना मुक्ति का उपाय है। राम के नाम को जाने-समझे बगैर मुक्ति नहीं है। पूजा ही नहीं, ध्यान भी बंधन का कारण बनता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि ध्यान में शून्यता तो आ जाती है, पर बात छूट जाती है। ध्यान में कोई आधार नहीं होता, जिसके सहारे यह भवबंधन पार हो। ध्यान तो केवल घास-फूस की सफाई है, असली बात है-समाधि। पलटू साहब कहते हैं, जो मुक्ति पाना चाहते हैं, किताबों का ज्ञान और योग-ध्यान उनके काम नहीं आएगा। जो ओंकार के सुमिरन में जीता है, उसे तीर्थ, व्रत, दान-पुण्य, पूजा, आचार-व्यवहार, परोपकार या धार्मिक अनुष्ठान की ही नहीं, बल्कि ज्ञान और ध्यान की भी जरूरत नहीं है। पलटू साहब कहते हैं कि जो इस प्रकार गोविंद की स्मृति में जीता है, मुक्ति भी उसके यहां दासी बनकर रहती है। इसी मुक्ति के लिए संतों ने सहजयोग का मार्ग दिया है, उस सहज को जानें और सहज योग का मार्ग क्या है? सहज ओंकार का ही एक नाम है, जो आपके साथ ही जन्मा है। उस ओंकार को, उस नाम को जानें और उसके सुमिरन में जीना शुरू करें। फिर मान-मोह सब छूट जाता है और जीते जी आप मुक्त हो जाते हैं। मुक्त होने के बाद आपको न तो दुख है और न सुख। आप सुख और दुख के पार चले जाते हैं। जब आप सुख और दुख के पार चले जाते हैं, तब आप परमानंद की स्थिति में होते हैं। यह सही है कि इस स्थिति में बिरले लोग ही पहुंचते हैं क्योंकि इसके लिए बहुत तपोबल की जरूरत होती है।

संपादकीय

धर्म और आस्था के साथ खिलवाड़ अच्छा नहीं...

धर्म और आस्था आम लोगों की जिंदगी के बेहद संवेदनशील विषय रहे हैं। अगर कोई व्यक्ति इसमें सुधार की अपेक्षा से कुछ कह रहा हो तो ऐसा किसी की भावनाओं को चोट पहुंचाए बिना भी किया जा सकता है। इसके लिए समाज की संरचना और उसमें धारणाओं के निर्माण की जड़ों को समझने की जरूरत होती है। लेकिन अगर आवेश में आकर या फिर महज अपनी राजनीति चमकाने के लिए धर्म को लक्ष्य करके नाहक ही कोई टिप्पणी की जाती है तो इससे विवाद और टकराव पैदा होने के अलावा कुछ हासिल नहीं होता। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने जिस तरह कुछ बीमारियों को हटाने की बात कहने के साथ-साथ सनातन के बारे में अवांछित टिप्पणी की, उससे साफ है कि वे समाज की जिस समस्या को इंगित करना चाह रहे हैं, उसका हल निकालने को लेकर वे राजनीतिक रूप से परिपक्व समझ शायद नहीं रखते। यही वजह है कि उनके बयान को यह कहते हुए

कठघरे में खड़ा किया जा रहा है किसी धर्म का अपमान करके वे किस तरह की राजनीति करना चाह रहे हैं! किसी खास विचारधारा का समर्थक होने के नाते अन्य परंपराओं को लेकर मतभिन्नता कोई नई बात नहीं है। प्राचीन काल से सभी धर्म और मतों के बीच वैचारिक असहमतियां और बहसें रही हैं। परंपरा में घुस आई विकृतियों को दूर करने के लिए समय-समय पर समाज सुधारकों ने आवाज उठाई और कई ऐसी प्रथाओं को दूर किया गया, जिन्हें अमानवीय या भेदभावमूलक माना जाता है। यही नहीं, स्त्रियों या अन्य सामाजिक वर्गों के खिलाफ भेदभाव, अत्याचार या शोषण से जुड़ी कई परंपराओं को बाकायदा कानून बना कर खत्म किया गया। दरअसल, किसी धर्म के दायरे में कोई विकृत परंपरा विकसित होती है, तो उसमें जिस तरह वक्त लगता है, उसी तरह उसकी पहचान करने के बाद उसे खत्म किए जाने की भी एक प्रक्रिया होती है। ठोस और स्थायी सुधार का यही रास्ता है। लेकिन उस पर गौर करने और एक सुचिंतित रास्ता अख्तियार करने के बजाय अगर तात्कालिक तौर पर सिर्फ बेलगाम प्रतिक्रिया जाहिर की जाती है तो आमतौर पर वह समाज के भिन्न वर्गों के बीच महज विवाद का जरिया बन कर रह जाती है। खासतौर पर राजनीतिकों और नेताओं को इस तरह के विवादित बोल से बचने की जरूरत होती है, क्योंकि समाज की दिशा तय करने में उनका खासा प्रभाव होता है और उनका एक व्यापक समर्थक वर्ग भी होता है। किसी धार्मिक मसले पर उदयनिधि स्टालिन की अपनी राय हो सकती है, लेकिन उसे अपने से असहमत लोगों की भावनाओं को चोट पहुंचाने का जरिया बनाने से बचना चाहिए। उन्होंने यह धीरज रखना जरूरी नहीं समझा। हालांकि बाद में सफाई पेश की कि उन्होंने लोगों को खत्म करने की बात नहीं कही, बल्कि सिर्फ धर्म की आलोचना की है। लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत है कि राजनेताओं के मुंह से निकली बात के असर की रफ्तार थोड़ी तेज होती है। भड़काने वाले बयानों के बाद नाहक ही विवाद की ऐसी स्थितियां पैदा हो जा सकती हैं, जिसे संभालने के लिए खुद नेताओं को अतिरिक्त उर्जा लगानी पड़ती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सुरक्षा का भरोसा!

मणिपुर में चार महीने पहले शुरू हुई हिंसा आज भी अगर नहीं थम सकी है और अराजकता में लिप्त गुटों पर काबू नहीं पाया जा सका है तो इसे राज्य सरकार की नाकामी के तौर पर ही देखा जाएगा। राज्य में शांति स्थापित करने की घोषणाओं और तमाम कवायदों के बरक्स हकीकत यह है कि आज भी वहां हिंसा से प्रभावित इलाकों में पीड़ित लोगों के लिए जरूरी राहत की व्यवस्था नहीं की जा सकी है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अगर किसी एक समूह के प्रभाव वाले इलाके में दूसरे पक्ष के कुछ लोग बचे हुए थे, तो हिंसक समूहों से उनको सुरक्षा मुहैया कराने के बजाय हल यह तलाशा जा रहा है कि उन्हें वहां से दूसरे क्षेत्र में भेज दिया जाए। गौरतलब है कि शनिवार की रात इंफल में कुकी-जोमी समुदाय के आखिरी बचे हुए चौबीस लोगों को अचानक ही पुलिस ने घरों से निकाल कर दूसरे इलाके में स्थिति पहाड़ों के बीच पहुंचा दिया। खबरों के मुताबिक, वहां से हटाए गए लोगों का कहना था कि पुलिस ने उन्हें अपना कोई छोटा-मोटा सामान भी नहीं लेने दिया। जिन परिवारों को वहां से हटाया गया, उन्हें इंफल से सत्ताईस किलोमीटर दूर कांगपोकपी के मोटबुंग में ले जाया गया। वहां असम राइफल्स के राहत शिविर हैं। साथ ही वहां फिलहाल हिंसा से प्रभावित कुकी और दूसरे आदिवासी समुदाय के लोग रहते हैं। यह माना जा सकता है कि इंफल में बचे हुए जिन आखिरी चौबीस लोगों को पुलिस ने वहां से हटाया, उसका मकसद उन्हें खतरे से बचाना था। सवाल है कि एक छोटे-से राज्य में चार महीने से चल रही हिंसक घटनाओं और इसे अंजाम देने वाले समूहों पर काबू पाना आज भी सरकार के लिए मुश्किल क्यों बना हुआ है! इंफल में न्यू लेम्बुलेन के जिस इलाके से कुकी समुदाय के लोगों को हटाया गया, वह मुख्यमंत्री के आवास से सिर्फ डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और पुलिस मुख्यालय के करीब है। इसी वजह से वहां प्रतिरोधी गुटों के हमले कम हुए थे। उस इलाके में कुकी समुदाय के करीब तीन सौ परिवार रहते थे, लेकिन हमले की आशंका से बड़ी संख्या में लोग पलायन कर गए। उनमें से पांच परिवारों ने वहीं रुकने का फैसला किया। सवाल है कि राज्य में सबसे उच्च स्तर वाले सुरक्षित इलाके से भी अगर कुछ लोगों को हिंसा के डर से पलायन करना पड़ा तो क्या यह अपने आप में सरकार की ओर से की गई सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान नहीं है? जाहिर है, कुकी समुदाय के जो लोग वहां रुक गए थे, वे सरकार और पुलिस पर भरोसे की वजह से ऐसा कर सके। लेकिन सच यह है कि उस इलाके में कुकी समुदाय के बचे हुए आखिरी कुछ लोगों को भी सुरक्षा मुहैया कराने के बजाय उन्हें बचाने की दलील पर वहां से दूसरे इलाके में भेज दिया गया। राज्य में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के सवाल पर शुरू हुई में हिंसा के चार महीने के बाद भी आखिरी उम्मीद टकराव में शामिल गुटों के बीच संवाद स्थापित करना ही है। लेकिन इस दिशा में शांति के लिए की गई कवायदों का अब तक कोई खास नतीजा नहीं निकल सका है। हालत यह है कि अब भी जारी हिंसा में लोगों के मारे जाने की खबरें आ रही हैं। यह तब है जब सुप्रीम कोर्ट भी इस मसले पर सख्त नाराजगी जता चुका है। अफसोस की बात यह है कि सरकार की घोषणाओं के समांतर पुलिस और सेना की कार्रवाइयों के बावजूद मणिपुर में हल का कोई ठोस रास्ता निकलता नहीं दिख रहा है।

सुख में जो आनंद उठाता है वो भोगी है और कष्ट में जिसको आनंद आता है वो योगी है : निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

आगरा. शाबाश इंडिया

हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में निर्यापक मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन को संबोधित करते हुए हर अच्छी वस्तु सभी के लिए ग्रहण करने योग्य हो ये कोई नियम नही, हर कष्टदायी वस्तु त्यागने योग्य हो ये कोई नियम नही। कोई भी वस्तु को हेय कहना अलग चीज है और त्यागना अलग चीज है। संसार के कितने कार्य है जो हेय है लेकिन त्यागने योग्य नही, मोक्षमार्ग में व्यवहार हेय है लेकिन त्यागने योग्य नही और कुछ कार्य ऐसे है जो ग्रहण भी करना है और छोड़ना भी है। लोगो ने ये धारणा बना ली है कि जिन जिन कार्यो में कष्ट होता हो वो सब छोड़ देना चाहिए, कितनी धर्म की क्रियाएं आप मात्र इसलिए नही करते क्योंकि उसमें कष्ट है, जानते है ये धर्म है अच्छा है, करना चाहिए लेकिन तुम्हे लगता है कि कष्ट है इसमे। पहले 99% महिलाएं कोई न कोई व्रत किया करती थी, पूरे जीवन मे एक न एक व्रत चलना चाहिए। गर उपवास से नही बनते है कुछ अल्पाहार ले लेवे, उससे भी नही बनते है तो एकासन से करेगे लेकिन व्रत करेगे। कल मरना ये निश्चित है लेकिन मरने का भाव भी करना निंदनीय है। कष्टदायी वस्तु का फल कष्टदायी हो ये कोई जरूरी नही, भोजन बनाना कष्टदायी है लेकिन भोजन करना सुखदायी। संसार के कितने कार्यो में आपको कष्ट है, कमाने में, खेती में लेकिन आपको उस कष्ट की खेती में सुख की लहराती हुई फसल दिख रही है। संसार मे क्या, परमार्थ में क्या बिना कष्ट के सुख मिल ही नही सकता। कमाने में कष्ट दिख रहा है लेकिन इनकम भी अच्छी हो रही है, किसान खेत मे मेहनत करता है और मेहनत करने में बहुत कष्ट है इसका अर्थ है हमारा भविष्य उज्वल है। महावीर भगवान ने हम साधुओं को जिन जिन कार्यो में मौत है वो सब बंद करवा दिया, गाड़ी में मौत है तो पैदल चलने का उपदेश दे दिया, जहाँ जहाँ मौत है वो सब हम छोड़ देते है क्योंकि हम साधुओं की दृष्टि में हमारी जिंदगी बहुत मूल्यवान है। लोग मुझे तीन लोक का राज्य भी दे दे तो मैं उसे अपने मुनिपद के सामने धूल समझूँगा, इतना अनमोल है ये मुनिपद, मैं अपनी जिंदगी से बहुत खुश हूँ मेरे बराबर कोई बादशाह नही इसलिए हमारा नाम राजा नही, महाराजा है। फकीरी की तो ऐसी की कि सबकुछ गमा बैठे और अमीरी की तो ऐसी की सबकुछ लुटा बैठे। सुख में जो आनंद उठाता है वो भोगी है और कष्ट में जिसको आनंद आता है वो योगी है। प्रतिकूल परिस्थितियों में आनंद आये। प्रशंसा हो रही हो तब आनंद की अनुभूति होना ये भोगियों का लक्षण है, गलियाँ मिल रही है और आनंद आ जाए ये योगी का लक्षण है। राम जी ने वनवास के लौटने के बाद सबसे पहले माता केकयी के चरण छुए और कहते है माता केकयी की बदौलत है जो मैं 14 वर्ष में धर्म का पालन करके लौट रहा हूँ, ये है महान आत्माएं दुश्मनी में मित्रता की अनुभूति। माता केकयी को अतिशयकारी मानना ये हर व्यक्ति के वश की बात नही है, ये श्री राम जैसी महान आत्मा की बात है। डॉक्टर की दृष्टि में रोग और गुरु की दृष्टि में दोष आ जाये तो समझना नियम से अच्छे दिन आने वाले है जिस दिन कष्टों में तुम्हे सुख की अनुभूति हो जाए। धर्मसभा का शुभारंभ कृति जैन एण्ड ग्रुप छीपीटोला की बालिकाओं ने भक्ति गीत पर सुंदर मंगलाचरण की प्रस्तुति के साथ कियो इसके बाद सौभाग्यशाली भक्तों ने संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया, साथ ही भक्तों ने गुरुदेव का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त कियो इस दौरान श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति, आगरा दिगंबर जैन परिषद एवं बाहर से आए हुए गुरुभक्तों ने गुरुदेव के चरणों में श्रीफल भेंट कियो धर्मसभा का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा कियो धर्मसभा में प्रदीप जैन पीएनसी, निर्मल मोठ्या, मनोज जैन बाकलीवाल नीरज जैन जिनवाणी, पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा, जगदीशप्रसाद जैन, राकेश जैन पदेर्वाले राजेश जैन सेठी, ललित जैन, आशीष जैन मोनू मीडिया प्रभारी शुभम जैन मीडिया प्रभारी, राजेश सेठी, शैलेन्द्र जैन, राहुल जैन, विवेक बैनाड़ा, अमित जैन बॉबी, पंकज जैन, मुकेश जैन अनिल जैन शास्त्री, रूपेश जैन, केके जैन, सचिन जैन, दिलीप जैन, अंकेश जैन, सचिन जैन, समस्त सकल जैन समाज आगरा के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **-शुभम जैन मीडिया प्रभारी**

शिक्षा के बिना मनुष्य का जीवन दिशाहिन है : साध्वी प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

शिक्षा के बिना जीवन का निर्माण और आत्मा का उत्थान नहीं हो सकता है। मंगलवार अहिंसा भवन में विदुषी साध्वी प्रितीसुधा ने सैकड़ों भाई और बहनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इंसान के जीवन की पहली सीढ़ी है, शिक्षा। शिक्षा ही जीवन का आधार है और बिना शिक्षा के मनुष्य का जीवन अर्थ हीन एवं दिशा हिन है। शिक्षा जीवन का वो धन है जो कोई चुरा नहीं सकता है और नाहि कोई छीन सकता है। सफल जीवन में शिक्षा का विशेष महत्व है इंसान अपनी कमीयो को केवल शिक्षा से ही दूर कर सकता है। ज्ञान और शिक्षा के मनुष्य बिना नींव के घर की तरह है। शिक्षा इंसानियत की वो नींव है जो हमे बुलंदियों के आसमान छूआ सकती है और गलत शिक्षा हमारे जीवन का पतन करवा सकती है । इस दौरान धर्मसभा मे शिक्षा दिवस पर अहिंसा भवन शास्त्री नगर के अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल अशोक पोखरना, हेमन्त आंचलिया, कुशलसिंह बूलिया, हिम्मतसिंह बाफना, शांतिलाल कांकरिया, जसंवत सिंह डागलिया, लक्ष्मणसिंह पोखरना एवं महिला की अध्यक्षा नीता बाबेल, मंजू पोखरना, रजनी सिंघवी, मंजू बाफना, उमा आंचलिया अजना सिसोदिया सरोज महता आदि सभी ने सुरेन्द्र चौधरी प्रदीप महता, रणजीत पोखरना तथा विमला जैन आदि शिक्षकों को सम्मानित किया गया। **प्रवक्ता निलिष्का जैन**

ऐम्बीशन किड्स में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

शिक्षक दिवस के अवसर पर ऐम्बीशन किड्स स्कूल, श्योपुर रोड, सांगानेर पर एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर की ओर से प्राचार्या डां अलका जैन व उपप्राचार्या अनिता जैन का साफा, माला, शाल, श्रीफल व सम्मान पत्र भेंटकर तीर्थंकर ग्रुप के अध्यक्ष डां.एम.एल जैन 'मणि'-डां शान्ति जैन मणि,सचिव विजय चन्द्र कासलीवाल-पुष्पाजी, कोषाध्यक्ष पारस-मंजू व इन्दौर फेडरेशन के निदेशक मंडल सदस्य डां मनीष मणि ने स्वागत किया वइसी तरह इसी स्कूल की होनहार सेवाभावी छाया चार्ली जैन का भी स्वागत किया। संस्था के चेयरमैन डां.एम.एल जैन मणि ने अन्य सभी शिक्षिकाओं को भी गिफ्ट देकर सम्मानित किया। अन्त में संस्था सचिव डां शान्ति जैन 'मणि' ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया व ऐम्बीशन के डायरेक्टर डां मनीष जैन मणि ने स्कूल की शिक्षिकाओं का आभार व्यक्त किया।

जन्माष्टमी पर नन्हे-मुन्नों ने धरा राधा-कृष्ण का वेष

शिक्षक दिवस पर जेसीआई ने दिए पुरस्कार

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। मां स्वास्ति इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने धार्मिक थीम पर आधारित गतिविधियों में राधा-कृष्ण बनकर भागीदारी की। जो बच्चे विजयी घोषित हुए उन्हें जेसीआई मुरैना जागृति की ओर से पुरस्कार दिए गए। जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में प्राइमरी स्टैंडर्ड के बच्चों के लिए मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अलावा बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की माखनचोरी लीला का मनोहारी चित्रण भी किया। कुछ बच्चों ने राधा-कृष्ण के साथ गोपियाँ बनकर रास नृत्य किया और कन्हैया को झूला भी झुलाया। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे बच्चों को जेसीआई मुरैना जागृति की अध्यक्ष ज्योति मोदी, सारिका सिंघल, बीनू अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष भारती मोदी, अंजना शिवहरे ने पुरस्कार प्रदान किये। पुरस्कार पाने वाले बच्चों में आराध्या जैन, लाक्षा जैन, जाह्नवी गुप्ता, पलक अग्रवाल, प्रियांसी माहौर, प्रिंस माहौर के नाम शामिल हैं। जन्माष्टमी के साथ स्कूल में शिक्षक दिवस भी मनाया गया। सबसे पहले स्कूल की डायरेक्टर भावना जैन ने सभी बच्चों को शिक्षक दिवस के बारे में बताया और कहा कि एक आदर्श शिक्षक हमारे जीवन को सही दिशा देता है। इसलिए शिक्षकों का सदैव सम्मान करना चाहिए। इसके बाद स्कूल के बच्चों ने शिक्षक दिवस पर कविताएं और स्पीच दी। कई बच्चे अपने साथ शिक्षकों के लिए गिफ्ट भी लेकर आये थे। इसके अलावा स्कूल प्रबंधन ने भी सभी टीचर्स को उपहार दिए।

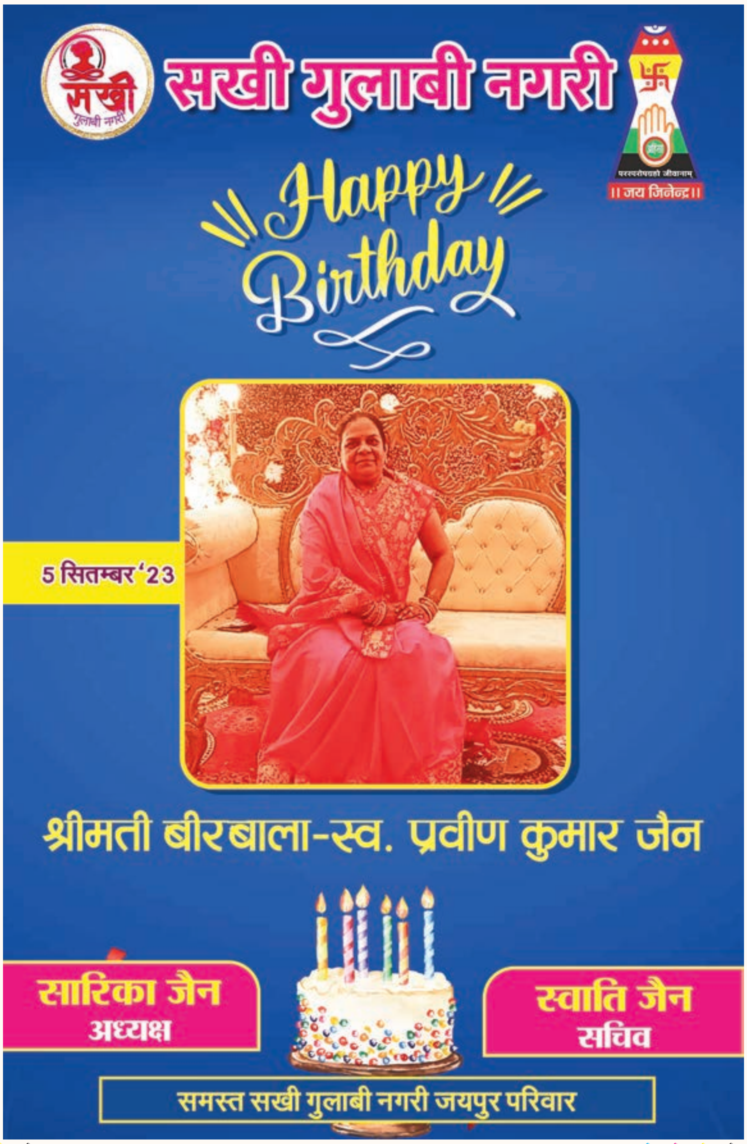

विवेक विहार जैन मंदिर में वेदी पर भव्य चंदवाजी एवम 64 चवर लगाए गए

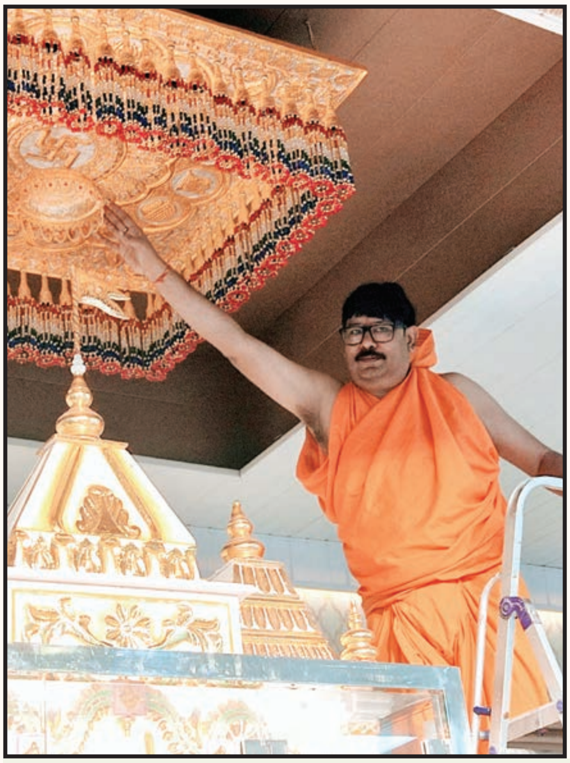

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में वासुपूज्य भगवान की वेदी के ऊपर आकर्षक चंदवाजी एवं 64 चवंर लगाए गए। विवेक विहार जैन समाज के सह सचिव नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि सोमवार सुबह मंदिर में नित्य पूजन के बाद में पुण्यार्जक परिवार पदमचंद -श्रीमती राजमती जी एवं समस्त पाटनी परिवार के द्वारा वासुपूज्य भगवान की बेदी के ऊपर आकर्षक चंदवाजी एवं 64 चंवर सुबह मंत्रोचार के साथ लगाए गए। इस अवसर पर विवेक विहार दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष अनिल जैन (आईआरएस) ने पदम चंद, राजमती पाटनी एवं समस्त पाटनी परिवार के इस विशेष कार्य की भरपूर प्रशंसा एवं अनुमोदना करते हुऐ कहां की पाटनी परिवार के सभी सदस्य हमेशा समाज के हर कार्यक्रम में अग्रणी रहकर अपना योगदान प्रदान करते हैं। इस अवसर पर समाज सचिव सुरेंद्र पाटनी, कोषाध्यक्ष पारसमल छाबड़ा , सहसचिव दीपक सेठी, उपाध्यक्ष भागचंद पाटनी, मोहनलाल पाटनी,रमेश कासलीवाल, महेंद्र जैन, समीर जैन, मोहित जैन, रमेश पाटनी,राजेश पाटनी,अनिल पाटनी, महिला मंडल अध्यक्ष सरला बागड़, मैना कासलीवाल, शांति देवी पाटनी, ललिता छाबड़ा , दिव्या पाटनी, श्वेता पाटनी, टीना पाटनी एवं अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

जैन रत्न प्रदीप कासलीवाल की पुण्य तिथि पर शिक्षा एवं स्वास्थ्य कार्यों का शुभारंभ

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। महावीर ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष जैन रत्न स्व. प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल की तृतीय पुण्यतिथि पर स्वास्थ्य योजना प्रोजेक्ट सुनो के अंतर्गत इंदौर संभाग में शासकीय स्कूलों, आंगनवाड़ियों एवं संस्थानों में तीन वर्ष से लेकर 15 वर्ष तक के करीब छः हजार बच्चों के कानो परीक्षण किया गया था जिनमें से आज 25 बच्चों को कानों की मशीन प्रदान की गई। फिजियोथैरेपी केन्द्र हेतू छः लाख रुपए की आधुनिक मशीनों का लोकार्पण किया गया। मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि विकलांगों को कृत्रिम पैर वितरण किए गये। शिक्षा सहयोग निधि में 50 छात्र छात्राओं को स्कॉलरशिप फीस के चेक वितरण किये। प्रारंभ में स्वर्गीय प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल की तस्वीर पर माल्यार्पण कर सभी ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए । फिजियोथैरेपी मशीनों के लिए दिए गए दानदाता प्रतीक टोंग्या एवं परिवार, बालकृष्ण तिवारी एवं मानमल मोदी को सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य एवं शिक्षा के कार्यों में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए केवलचंद रावत, प्रियदर्शी जैन, प्रबंधक ललित राठौर, सुधीर गंगवाल को माला पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटौदी, फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका ने स्व. प्रदीप जी के द्वारा किए गए पारमार्थिक एवं सामाजिक कार्यों को याद किया गया। इस अवसर पर सामाजिक संसद की शिरोमणि संरक्षक श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, महावीर ट्रस्ट अध्यक्ष अमित कासलीवाल, कोषाध्यक्ष आदित्य कासलीवाल, महासचिव विपुल बाझंल, कमलेश कासलीवाल विमल अजमेरा, हंसमुख गांधी, अनुपम कासलीवाल, महावीर ट्रस्ट के ट्रस्टी अशोक खासगीवाला, विजय काला, कीर्ति पांड्या, राजेंद्र सोनी, दिनेश दोशी, प्रिंसीपाल टोंग्या संजीव जैन संजीवनी, कमल काला, डा. देवेन्द्र पाठक, मनोहर झांझरी, सतीश जैन, रमेश बड़जात्या, रिषभ पाटनी, संजय जैन अहिंसा, आदि उपस्थित थे। सभा का संचालन बाहुबली पांड्या ने किया।

संसार में बड़ा बनना आसान है, पर क्षमावान बनना उतना ही कठिन है: साध्वी धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। बड़ा बनना संसार मे आसान है, लेकिन क्षमावान बनना उतना ही कठिन है। मंगलवार जैन भवन साहूकार पेठ में महासती धर्मप्रभा ने अनेक श्रध्दांलूओ को धर्मसभा मे धर्म उपदेश देते प्रदान करते हुए कहा कि इंसान के पास सब सुविधाएं है लेकिन उसमे गलतियों को स्वीकार करना और क्षमा करने का गुण नहीं है तो वह जीवन मे महान नहीं बन सकता है। क्षमा वहीं व्यक्ति कर सकता है। जिसके मन मे छल और कपट नहीं होगा वो मनुष्य ही क्षमा कर सकता है।संसार मे बड़ा आदमी बनना अच्छी बात है पर अच्छा आदमी बनना उसे भी बड़ी बात है।हम धनवान बनें, यह हमारे कोई बड़ी बात नहीं हैं, लेकिन हम इंसान बन जाएं यह हमारे लिए सबसे बड़ी बात होगी। आज का व्यक्ति अपनी इंसानियत खोता जा रहा है।और अपनी तिजोरियो को बड़ी से बड़ी करता जा रहा हैं लेकिन अपने दिल छोटे से और छोटे करता जा रहा हैं। हमारी सोच और रिश्ते सिकुड़ते जा रहे हैं। क्षमा जीवन का वह गुण है जिससे इंसान सब को जीत सकता है और सभी को अपना बना सकता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा की क्रोध इंसान को शैतान बनाता है, और क्षमा इंसान को महान बनाती है। क्षमा मांगने से इंसान छोटा नहीं बनता है बल्कि अच्छा और महान इंसान बनता है।व्यक्ति ने क्षमा करना और क्षमा मांगना दोनों सीख लिए हो, उसे जीवन मे कभी भी रिश्ते को निभाने में कभी समस्या नहीं आने वाली है क्षमा वो शस्त्र है जिससे इंसान दुश्मन को दोस्त बना सकता है और क्रोध वो शस्त्र जिससे दुश्मन बना सकता है।श्री एस.एस.जैन संघ साहूकार पेठ के कार्याध्यक्ष महावीर सिसोदिया ने बताया कि अनेक भाई और बहनों ने आयंबिल एकासन और उपवास आदि के प्रत्याख्यान लिए जिनका संघ के महामंत्री सज्जनराज सुराणा,हस्तीमल खटोड़,बादल कोठारी सुरेश डूगरवाल,सुभाष कांकलिया, जितेन्द्र भंडारी, माणक खाबिया,महावीर कोठारी, शांतिलाल दरडा आदि पदाधिकारियों और श्री एस.एस.जैन.संस्कार महिला शाखा की अध्यक्षा सपना ललवानी आदि सभी ने तपस्यार्थीयों के तप की अनूमोदना करते हुए शब्दों से स्वागत किया गया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर साध्वी धर्मप्रभा के विषेश प्रवचन सभा के साथ वासुदेव श्री कृष्ण के विविध रूप का बच्चों के द्वारा मंचन किया जाएगा।

पड़ोसी के सुख में अपना सुख खोजें: गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - कभी-कभी हम अपने सुख के लिए दूसरों को दुःखी कर देते हैं और उसका सुख छीनने का प्रयास करते हैं। क्या यह प्रवृत्ति मानवता की परिधि में आती है ? माताजी ने कहा - मानव प्रकृति है कि सुख सभी चाहते हैं सुख की परिभाषा भी लोगों को अपनी-अपनी तरह से अलग - अलग है। हम वास्तविक रूप से तभी सुखी होंगे जब हम पड़ोसी के सुख में अपने सुखों को खोजें। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुन्सी में गुरु माँ के ससंघ सान्निध्य में श्री 1008 शांतिनाथ महामण्डल विधान रचाने का सौभाग्य टीकमचंद अजमेरा भोगादीत वाले दूदू वालों ने प्राप्त किया । 120 अर्घ्यों के साथ मंडल पूजा का समापन हुआ। इसी अवसर पर शांतिप्रभु की अखण्ड शान्तिधारा करने का सौभाग्य जयकुमार अजमेरा चौमूंबाग जयपुर , मुकेश मोना चौमूंबाग जयपुर, सुरेंद्र पाटनी विवेक विहार जयपुर वालों को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात भगवान की मंगलमय आरती की गई।

हम वास्तविक रूप से तभी सुखी होंगे जब हम पड़ोसी के सुख में अपने सुखों को खोजें।

पारस जैन बने राजस्थान जैन युवा महासभा प्रतापनगर जोन के अध्यक्ष

शाबाश इंडिया. अमन जैन कोटखावदा

जयपुर । राजस्थान जैन युवा महासभा का शपथ ग्रहण समारोह एवं स्नेह मिलन समारोह आयोजित। हुआ राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने प्रतापनगर जोन 5 में अध्यक्ष पारस जैन एवं महामंत्री त्रिलोक जैन को नियुक्त किया वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष निरज सेठी, उपाध्यक्ष प्रवेश जैन, संयुक्त महामंत्री वैभव जैन, मंत्री सुनील पाटोदी, सांस्कृतिक मंत्री, निर्मला गोयल, संयुक्त मंत्री मैना गंगवाल, संगठन मंत्री निखिल जैन, कोषाध्यक्ष अनमोल सेठी, सदस्य विजय जैन, कमलेश जैन, दिनेश जैन सहित कई सदस्यों को मनोनीत किया गया। अध्यक्ष पारस जैन ने बताया कि समाज के लिए में सदैव आगे रहूंगा एवं जैन समाज के युवाओं को साथ लेकर हमेशा चलूंगा एवं जैन धर्म का प्रचार प्रसार एवं साधु संतों की सुरक्षा में सदैव समाज के खड़ा रहूंगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आदर्श नगर के श्रीराम मंदिर में युवा भागवत कथा गीता के सिद्धांत हमारे परिवार प्रबंधन में बहुत उपयोगीः मेहता

जयपुर. शाबाश इंडिया

आदर्श नगर के श्रीराम मंदिर में चल रही युवा भागवत कथा के दूसरे दिन मंगलवार को जीवन प्रबंधन गुरु पंडित विजय शंकर मेहता ने कहा कि गीता के सिद्धांत हमारे परिवार प्रबंधन में बहुत उपयोगी हैं, गीता हमें समझाती है कि जो लोग अपने परिवार को भक्ति योग से चलाते हैं उन्हें बैकुंठ की तलाश में कहीं और नहीं भटकना पड़ता है। दसवें अध्याय में विभूति योग पर उपदेश देते हुए भगवान श्री कृष्ण ने कहा था कि मनुष्य में जो कुछ भी श्रेष्ठ है वह मेरा ही अंश है लेकिन श्रेष्ठ से श्रेष्ठ व्यक्ति भी यदि गलत मार्ग चुनेगा तो उसका पतन निश्चित है। महाभारत युद्ध के दसवें दिन अर्जुन के बाणों से घायल होकर भीष्म गिर गए। इतने पराक्रमी व्यक्ति को भी गलत व्यक्ति दुर्योधन का साथ देने पर अपने प्राण त्यागने पड़े। गीता के सातवें अध्याय में पंडित मेहता ने बताया कि परिवार में सबसे पहले हम स्वयं को जानें स्वयं से हमारे रिश्ते परिपक्व होने चाहिए उसके बाद माता-पिता ,पति-पत्नी, भाई -बहन, संतान तथा अन्य रिश्तों को गीता के सिद्धांत में महाभारत के दृष्टातों से जोड़कर व्याख्या की। परिवारों में एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा न करते हुए प्रेम और समर्पण भाव से जीना चाहिए। हमारे देश के परिवार प्रबंध में हमारी भारतीय संस्कृति को साथ रखने पर ही हम सुखी रह सकेंगे। इस मौके पर हरचरण लेकर,केशव बेदी, राजीव मनचंदा, संजय आहूजा ने पं.विजय शंकर मेहता को माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया। उपाध्यक्ष अनिल खुराना ने बताया कि कथा के तीसरे दिन ज्ञान योग और परिवार पर व्याख्यान होगा।

व्यापारिक प्रतिनिधियों की मीटिंग आयोजित

17 सितंबर को विराट वैश्य महापंचायत के आयोजन एवं 10 सितंबर को विराट महापंचायत के पूर्व मैराथन दौड को सफल बनाने के लिए हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया। 17 सितंबर को विराट वैश्य महापंचायत17 सितंबर को विराट वैश्य महापंचायत के आयोजन एवं 10 सितंबर को विराट महापंचायत के पूर्व मैराथन दौड को सफल बनाने के लिए के आयोजन एवं 10 सितंबर को विराट महापंचायत के पूर्व मैराथन दौड को सफल बनाने के लिए जयपुर के व्यापारिक प्रतिनिधियों की मीटिंग द एल एम बी होटल जोहरी बाजार में हुई। विराट वैश्य महापंचायत व्यापार संघ के प्रदेश संयोजक सुरेन्द्र बज ने बताया की मिटिंग में बड़ी संख्या में व्यापारीक पदाधिकारीयो ने दोनों ही कार्यक्रमों को ऐतिहासिक सफल बनाने पर सहमति जताई विराट वैश्य महापंचायत के प्रदेश संयोजक राकेश गुप्ता ने बताया कि 10 सितंबर को महावीर स्कूल सी स्कीम से मैराथन दौड़ प्रातः 6.15 बजे आरम्भ होकर करीब 3 किलोमीटर दोड़कर रामलीला मैदान पहुँचेगी व 17 सितंबर को वैश्य समाज की महापंचायत वी टी रोड मैदान मानसरोवर में होगी। जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल व कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडीया ने दोनों कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। जोहरी बाजार व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अजय अग्रवाल महामंत्री कैलाश मित्तल,चोडा रास्ता व्यापार मण्डल के अध्यक्ष सोभागमल अग्रवाल,नीरज लुहाडीया केमिस्ट एशोसिएशन के अभिषेक गर्ग ,रेडीमेड गारमेन्ट एशोसिएशन के अरविंद अग्रवाल,महिला प्रतिनिधि अनुराधा महेश्वरी चांदपोल बाजार महामंत्री घनश्याम भूतड़ा,जयपुर वैश्य महापंचायत व्यापार महासंघ के अध्यक्ष दीपक थावरिया व अन्य व्यापारिक नेताओं ने मैराथन दौड़ व 17 सितंबर को आयोजित विराट वैश्य महापंचायत को सफल बनाने के लिए संकल्प लिया।

शिक्षक दिवस पर किया शिक्षकों का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। शिक्षक दिवस के अवसर पर लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय वरुण पथ मानसरोवर के शिक्षक/ शिक्षिकाओं गीता गोयल,ममता गर्ग, विनोद जैन, विजया, व बाबा रामदेव नगर गुजर की थड़ी, उच्च प्राथमिक विद्यालय की 3 शिक्षिकाओं अंजू सक्सेना, चंद्रकांता शर्मा, संतोष शर्मा का माला पहनाकर, व उपहार देकर सम्मान किया गया। उक्त कार्यक्रम में लायंस क्लब स्पार्कल की अध्यक्ष लायन रानी पाटनी, सचिव सुजाता, शैलबाला, व ललिता जैन उपस्थित रही।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह एवम भक्तामर स्तोत्र पाठ का भव्य आयोजन

शिक्षक बी एल गोदिका का उनकी समाज के प्रति सेवा के लिए सम्मान कर आशीर्वाद लिया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल के पुण्य स्मृति दिवस मनाया देश एवम शिक्षक दिवस पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर द्वारा भव्य समारोह का श्री दिगंबर जैन मंदिर संघी जी सांगानेर में आयोजन किया गया। ग्रुप अध्यक्ष राकेश समता गोदिका ने बताया कि फेडरेशन संस्थापक अध्यक्ष कासलीवाल के पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर ग्रुप द्वारा 3 सितंबर को गोशाला चारा वितरण ,4 सितंबर को पूजा का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में 5 सितंबर 23, मंगलवार को रात्रि 7.30 बजे से सन्मति ग्रुप द्वारा शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह के अंतर्गत शिष्यों के चहेते, अनुशासन को सर्वोपरि मानने वाले महावीर स्कूल सी - स्कीम के पूर्व प्राचार्य बी एल गोदिका का सम्मान किया गया। समन्वयक राजेश - रानी पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ समता गोदिका द्वारा नमोकर मंत्र के वाचन से हुआ। उसके पश्चात ग्रुप परामर्शक दिनेश गंगवाल ने शिक्षक दिवस के बारे में जानकारी दी। संरक्षक दर्शन बाकलीवाल ने अपने संस्मरण सुनाए तथा गोदिका जी के बारे में बताया।रानी - राजेश पाटनी ने शिक्षक दिवस पर ग्रुप सदस्य ज्योति - संजय छाबड़ा द्वारा लिखित सुंदर कविता का वाचन किया। उपस्थित सदस्यों ने गोदिका जी व श्रीमति सुमन गोदिका का माल्यार्पण कर, दुपट्टा पहना कर, सम्मान किया।समन्वयक राजेश - रानी पाटनी ने बताया कि ग्रुप अध्यक्ष राकेश समता गोदिका व कार्याध्यक्ष मनीष - शोभना लोंग्या ने स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। सम्मान समारोह के तुरंत बाद भक्तामर के 48 श्लोको का वाचन किया तथा ये निर्णय लिया कि प्रत्येक माह प्रथम सप्ताह में शहर के अलग अलग मंदिरो में भक्तामर पाठ का वाचन किया जायेगा। समारोह में दर्शन-विनिता जैन, राकेश सांघी, मनीष - शोभना लोंग्या, अनिल - निशा सांघी, राजेश - रानी पाटनी, कमल - मंजू ठोलिया, राजेश - जेना गंगवाल , दिलीप - प्रमिला जैन, पंकज - नीना जैन आदि सदस्य उपस्थित रहे । अंत में ग्रुप अध्यक्ष राकेश गोदिका ने सभी का आभार वक्त किया तथा ''रविवार10 सितंबर को चुलगिरी पर होने वाली पूजा विधान'' के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

द्वितीय पुण्यतिथि

• भावपूर्ण श्रध्दांजलि •

स्व. श्रीमती राजा देवी

मृत्यु सत्य है और शरीर नश्वर हैं, यह जानते हुए भी अपनों के जाने का दुःख होता हैं। हम ईश्वर से प्रार्थना करते है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें !

• श्रद्धावनत •

प्रमोद , सोनल , कुशाग्र , युग

सोनी परिवार

उपराष्ट्रपति छात्रों से बोले: स्वतंत्र नदी बनिए, बंधे हुए किनारों वाली नहर नहीं

धनखड़ ने छात्रों से कहा कि वे कभी टेंशन ना लें और असफलता से डरें नहीं। असफलता का डर सबसे बुरी बीमारी है। दुनिया का कोई भी बड़ा काम एक प्रयास में नहीं हुआ है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि चंद्रयान-2 की सॉफ्ट लैंडिंग कराते समय आखिरी क्षण में कुछ गड़बड़ी आ गई थी। उसी से सीख कर हमारे वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक चन्द्रमा की सतह पर उतार दिया।

कोटा. शाबाश इंडिया

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कोटा यात्रा के दौरान शहर के विभिन्न संस्थानों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा कि भारतीय होने पर गर्व कीजिए, भारत की उपलब्धियों पर गर्व कीजिए और हर हाल में राष्ट्र को सर्वोपरि रखिए। भारत आज बुलंदियों पर है। कुछ सिरफिरे परेशान हैं और मजबूत भारत को मजबूर भारत बताना चाहते हैं।

कोई भी बड़ा काम एक प्रयास में नहीं हुआ

धनखड़ ने छात्रों से कहा कि वे कभी टेंशन ना लें और असफलता से डरें नहीं। असफलता का डर सबसे बुरी बीमारी है। दुनिया का कोई भी बड़ा काम एक प्रयास में नहीं हुआ है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि चंद्रयान-2 की सॉफ्ट लैंडिंग कराते समय आखिरी क्षण में कुछ गड़बड़ी आ गई थी। उसी से सीख कर हमारे वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक चन्द्रमा की सतह पर उतार दिया। उपराष्ट्रपति ने छात्रों को नदी से सीखने की सलाह देते हुए कहा कि जैसे नदी अपना रास्ता खुद बनाती है। वैसे ही युवाओं को अपनी रुचि और एप्टीट्यूड के अनुसार जीवन में कैरियर चुनना चाहिए। लोगों से प्रभावित होकर या उनके दबाब में आकर जीवन के निर्णय नहीं करने चाहिए। आप स्वतंत्र नदी बनिए, बंधे हुए किनारों वाली नहर नहीं। उन्होंने स्टीव जॉब्स, बिल गेट्स और मार्क जुकरबर्ग जैसी हस्तियों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये सभी कॉलेज ड्राप आउट्स थे ।लेकिन उनमें कुछ नया करने का जुनून था। डिग्री की आज सीमित अहमियत है। मुख्य बात है आपकी काबिलियत व आपकी स्किल।

सरकारी स्कूलों पर फोकस करें

उन्होंने कहा प्राइमरी शिक्षा बच्चों का आधार तैयार करती है। प्राइमरी एजुकेशन की गुणवत्ता सुधारने पर बल देना चाहिए। गांवों में देखता हूं कि सरकारी स्कूलों की अच्छी बिल्डिंग हैं, काफी एरिया है, क्वालिफाइड शिक्षक हैं। फिर लोग अपने बच्चों को ऐसे छोटे प्राइवेट स्कूलों में भेज रहे हैं जिसमें प्लेग्राउंड भी नहीं है और जहां उनका आर्थिक शोषण होता है। यह न केवल सरकार बल्कि समाज, NGO, आम नागरिक सबकी जिम्मेदारी है कि वे सरकारी स्कूलों पर अपना ध्यान फोकस करें।

लोकतंत्र में चर्चा नहीं होगी तो वह लोकतंत्र कहां है?

संसद में व्यवधानों को अनुचित बताते हुए उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी पंचायत संवाद और विचार-विमर्श का मंच होनी चाहिए ना कि शोर-शराबे और हंगामे का। अभी एक मुद्दा आया 'वन नेशन वन इलेक्शन' का। कह रहे हैं, हम चर्चा ही नहीं करेंगे। अरे चर्चा करना आपका काम है, उससे सहमत होना या ना होना आपका विवेक है। उन्होंने कहा लोकतंत्र में चर्चा नहीं होगी तो वह लोकतंत्र कहां है? लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए आवश्यक है कि चर्चा और विमर्श हो। सरकारों द्वारा मुफ्त की रेवड़ियां बांटने को गलत प्रवृत्ति बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारा जोर पूंजीगत व्यय पर ज्यादा होना चाहिए जिससे स्थायी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाई जा सके। ऐसा करने के बजाय यदि कोई सरकार लोगों की जेब गर्म करती है तो यह फायदा अल्पकालिक होगा। इससे आने वाले समय में नुकसान उठाने पड़ेंगे।

हर छात्र-छात्रा को इतिहास पढ़ना चाहिए

छात्रों से संवाद के दौरान भारतीय इतिहास पढ़ाने के बारें में एक छात्र के सवाल पूछा। जिसका जवाब देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हर छात्र-छात्रा को इतिहास पढ़ना चाहिए। भले ही उनके अध्ययन के विषय कुछ भी हों। इससे हमें हमारे स्वतंत्रता बलिदानियों के बारे में जानने को मिलता है। अमृत काल में हमें अनेक गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को जानने का अवसर मिला है।

उपराष्ट्रपति के कोटा आगमन पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने की अगवानी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक दिवसीय प्रवास पर मंगलवार को कोटा पहुंचे जहां एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने उनकी अगवानी की। वायु सेना के विशेष हेलीकॉप्टर से एयरपोर्ट पहुंचने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभा सिंह, पुलिस महानिरीक्षक कोटा रेंज प्रसन्न कुमार खमेसरा, कोटा जिला कलक्टर ओपी बुनकर, पुलिस अधीक्षक शहर शरद चौधरी, कोटा दक्षिण महापौर राजीव अग्रवाल, जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, लाडपुरा विधायक कल्पना देवी, पूर्व विधायक सांगोद हीरालाल नागर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने उपराष्ट्रपति की अगवानी की। इस अवसर पर कोटा एयरपोर्ट पर उपराष्ट्रपति को राजस्थान पुलिस एवं आरएसी के दल ने गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

दिंगबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा भक्तामर पाठ का भव्य आयोजन

फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल के पुण्य स्मरण दिवस के अवसर पर हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा भक्तामर पाठ का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि 5 सितंबर को फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल के पुण्य स्मरण दिवस के अवसर पर राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत 48 रिद्धि सिद्धि मंत्रों से युक्त दीपको द्वारा सांय 7.30 बजे से चमत्कारिक भक्तामर पाठ का आयोजन भट्टारक जी कि नासिया में आयोजित किया गया। जिसमें सभी ग्रुप के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, कार्यकारिणी के सदस्यों की उपस्थित रही। रीजन महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि कार्यक्रम के द्वीप प्रज्वलन कर्ता स्वस्तिक ग्रुप के यशस्वी अध्यक्ष सतीश - मधु बाकलीवाल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज श्रेष्ठी श्रीं महावीर दिगम्बर जैन स्कूल के यशस्वी अध्यक्ष उमराव मल - कुसुम संघी थे। अनुष्ठान में राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव विनय जैन जबलपुर का भी सानिध्य मिला ।कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र कुमार मोदी ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में अनिल कुमार जैन IPS, सुरेंद्र कुमार पांड्या, नवीन सेन जैन, यश कमल संगीता अजमेरा, अतुल नीलिमा बिलाला , सीमा बड़जात्या, सरला संघी, सुनील कुमार बज,सुरेश जैन बांदीकुई, मोहन लाल गंगवाल, इंजीनियर पी सी छाबड़ा, राकेश गोदिका, समता गोदिका, राजेश चौधरी, गिरीश जैन, विनोद- सुशीला बड़जात्या, डॉ इन्द्र कुमार जैन, मनीष - शोभना लौंगया, पारस- मंजू जैन, पवन टोलिया, संगिनी फार एवर ग्रुप की सदस्यगण , अजीत जैन, महावीर पांड्या, आदि अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अंत में कार्यक्रम का समापन आरती से किया।